अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

अक्टूबर 2022 अंक 291

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

राष्ट्र की संस्कृति और परंपरा, महज एक संकल्पना नहीं होती है, बल्कि यह एक अभिमान और गर्व की बात होती है। संस्कृति किसी भी देश, जाति और समुदाय की आत्मा होती है। किसी भी राष्ट्र की पहचान में उसकी संस्कृति अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है। भारत सदियों से अपनी संस्कृति और विरासत के लिए विश्व धरातल पर जाना जाता रहा है।

भारतीय संस्कृति और परंपराओं की जो विरासत हमारे हिस्से में आयी है, वह अन्य किसी भी देश को प्राप्त नहीं हुई है। इस विरासत को संभालना, जतन करना और इस पर गर्व करना, हमारा फर्ज़ है लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं??? हम अक्सर शिकायत करते रहते हैं कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं का ह्रास हो रहा है। लेकिन क्या हम स्वयं कारण नहीं इस ह्रास के?

भारतीय संस्कृति सदैव स्वयं में पूर्ण रही है। वर्तमान में इसकी पहचान कहीं खोती जा रही है। भौतिकवादी इस युग में हम इतना भी गुम ना हो जाये कि अपनी संस्कृति अपनी पहचान ही बिसार दे।

आज हम western culture से इतने influenced हैं कि समाज में पारिवारिकता का ह्रास हो रहा है, आपसी रिश्तों की मर्यादायें टूट रही हैं। यहां तक कि हमारे रहन–सहन, पहनावे और खान–पान में भी अपनी संस्कृति को छोड़ western culture को अपनाने में नहीं झिझक रहे हैं। Western culture की भी अपनी मर्यादाएं है, अपनी शिष्टाचार है। उन संस्कृतियों में भी कई अच्छी ग्रहण करने वाली बातें हैं। आडम्बर रहित आयोजन, सादगीपूर्ण जीवन, Punctuality, Time Management, non-evasion of taxes, आदि अनेक बातें हैं जिनसे हमें आकर्षित होना चाहिए, ग्रहण करना चाहिए। लेकिन विडम्बना यह है कि हम केवल अपनी सुविधानुसार अन्य culture के अग्राह्य रीतियों की ओर ही आकर्षित होते हुए उन्हें अपना रहे हैं।

सिर ढकने का प्रचलन रूढ़िवादिता माना जाने लगा है। आज भी विश्व के हर कोने में विवाह वेदी पर वधू किसी न किसी रूप से अपना सिर अवश्य ढकती है। सिर ढकने का रिवाज जिस कारण से भी बना हो, पर सत्य है कि यह महिलाओं को गरिमा प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति में भी सिर ढक कर रखने का प्रचलन प्राचीन है पर क्या हम और आप आधुनिकता के नाम पर भारतीय संस्कृति में ही नहीं अपितु विश्व भर में फैली संस्कृति को नहीं त्याग रहे हैं?

खान–पान को लेकर भी भारतीय परंपरा अपने आप में सुदृढ़ थी। Fast Food & Junk Food के consumption में increment होने के कारण आज young age में ही विविध प्रकार के health issues से गुजरना पड़ रहा है।

हर देश की संस्कृति एवं सभ्यता उस देश के समाज एवं समय के लिए अनुकूल होती है लेकिन अगर कोई दूसरा देश इसकी नकल करता है तो इसके परिणाम हमेशा गंभीर एवं पतनोन्मुखी होते हैं। विदेशों में खान–पान, रहन–सहन और पहनावे के कारण उन देशों की आबोहवा, मौसम, खाद्य उत्पादन आदि कई factors हैं। भारतीय संस्कृति सदैव मौसम, रहन–सहन एवं उत्पादन प्रधान रही है। ऋतुओं के अनुसार खान–पान और पहनावे का चलन सदियों से रहा है। पर क्या हम आज इन सबको महत्व दे रहे हैं? क्या हम अपनी संस्कृति को ही बिसराते हुए स्वयं का नुकसान तो नहीं कर रहे?

भारतीय तीज–त्यौहार भी अपने आप में विशिष्टता लिए हुए हैं। हम त्यौहारों के मूल मर्म को छोड़ कर सुविधानुसार इन्हें मनाने में लगे हुए हैं। भारतीय त्यौहार की विशेषता यह है कि इनमें अमीरी–गरीबी की भेदरखा कहीं नहीं दिखती। हर त्यौहार को मनाने का तरीका एवं भोज इतना सरल बनाया गया था कि प्रत्येक भारतीय इन त्यौहारों को अच्छे से मना सकता था। आज त्यौहार भी आडम्बर प्रधान होते जा रहे हैं जिससे गरीबों को त्यौहार मनाना कष्टदायक लगने लगा है। क्या त्यौहार में भी अमीर–गरीब का भेदभाव उचित है? क्या त्यौहार मनाने का अधिकार सभी को समान नहीं है?

किसी देश, जाति या समाज की संस्कृति का मूल आधार उसके मानवीय मूल्य एवं परंपराएं होती हैं जो काल के घात–प्रतिघात सहते हुए भी अपनी विशिष्ट पहचान नहीं खोते हैं। ये हमारी सांस्कृतिक चेतना की पहचान होते हैं।

आज ज़रूरत है ज़िंदगी को नए सिरे से समझने की और अपने भीतर पनप रही विकृतियों से लड़ कर सृजनात्मक चिंतन विकसित करने की। मानवीय मूल्यों के आधार पर हो रही प्रगति ही शाश्वत, सृजनशील एवं सबका कल्याण करने वाली होती है। रुकिए, ठहरिए और सोचिए कि हम हमारी संस्कृति को छोड़ कर किस ओर जा रहे हैं???

स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

कई बार आदमी श्रम बहुत करता है, फिर भी उसका परिणाम अच्छा नहीं आता। आदमी काम भले कुछ कम करे, किन्तु विवेकपूर्ण करे तो उसका परिणाम अच्छा आ सकता है, निष्पत्ति सामने आ सकती है। आदमी यह चिन्तन करे कि मैं अपनी शक्ति का नियोजन कैसे करूं? अपना समय और श्रम कहां लगाऊं? अल्प समय और अल्प श्रम में अधिक लाभ मिल सके, ऐसा काम करना चाहिए।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

सत्र 2021–2023 हेतु नव–निर्वाचित एवं नव–मनोनीत सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन

चीफ ट्रस्टी

श्रीमती पुष्पा बैंगाणी, दिल्ली

ट्रस्टी

श्रीमती बिमला दूगड़, जयपुर

एवं

श्रीमती ज्योति जैन, कोलकाता

संगठन मंत्री

श्रीमती नीतू पटावरी, दिल्ली

नव मनोनीत रा.का.स.

श्रीमती मोनिका लुणिया, कोयम्बत्तूर

श्रीमती मनीषा बोथरा, इस्लामपुर

शृंखलाबद्ध नीवी

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

गत वर्ष नवरात्रि से प्रारम्भ शृंखलाबद्ध नीवी निर्बाध रूप से सभी शाखाओं के सहयोग से वर्ष भर चली। शृंखलाबद्ध नीवी की अनवरत यात्रा 26 सितम्बर 2022 को पूर्ण हुई। पूर्णाहूति के रूप में देश भर में एक साथ नीवी तप किया गया। संयोजिका श्रीमती अदिति सेखानी के वर्ष भर के श्रम ने इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति को देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में अनवरत अखण्ड बनाए रखा, तदर्थ संयोजिका को हार्दिक साधुवाद।

सितम्बर माह में शृंखलाबद्ध नीवी

01 सितम्बर – उज्जैन – 01	12 सितम्बर – टमकोर – 08	23 सितम्बर – तारा मण्डी – 03
02 सितम्बर – नोहर – 150	13 सितम्बर – लोनार – 05	24 सितम्बर – फिल्लौर – 01
03 सितम्बर – साकरी – 08	14 सितम्बर – धुले – 02	25 सितम्बर – चाड़वास – 04
04 सितम्बर – रत्नगिरि – 04	15 सितम्बर – अमलोह – 25	
05 सितम्बर – राजगढ़ – 06	16 सितम्बर – बांधनी कलां – 01	
06 सितम्बर – झाबुआ – 30	17 सितम्बर – हांसी – 03	
07 सितम्बर – खामगांव – 31	18 सितम्बर – अमलनेर – 08	
08 सितम्बर – मेहकर – 01	19 सितम्बर – भटिंडा – 02	
09 सितम्बर – मनमाड़ – 04	20 सितम्बर – बरनाला – 01	
10 सितम्बर – कांचीपुरम – 02	21 सितम्बर – रायकोट – 13	
11 सितम्बर – नासिक – 03	22 सितम्बर – सुनाम – 06	

26 सितम्बर 2022

शृंखलाबद्ध नीवी

की पूर्णाहूति – एक दिन एक साथ नीवी में देश भर में हजारों श्रावक/श्राविकाओं ने एक साथ नीवी कर शृंखलाबद्ध नीवी को पूर्ण किया।

47वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

15-16-17 सितम्बर 2022 (छापर-लाडनूं)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में 47वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन 'परचम... केसरिया शक्ति का' त्रिदिवसीय अधिवेशन 15-16-17 सितम्बर 2022 को छापर-लाडनूं में परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में आयोजित हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, नव निर्वाचित चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासिरया ने अधिवेशन का मंगल आगाज़ छापर में परम पूज्य आचार्य प्रवर के सान्निध्य में किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने भाव श्रीचरणों में समर्पित करते हुए कहा कि गुरुदेव ऐसी ऊर्जा प्रदान करवाएं कि अधिवेशन में समागत प्रत्येक महिला संघ के प्रति समर्पित रहे। आचार्य प्रवर ने अमृत पाथेय प्रदान करते हुए फरमाया कि संस्था का आध्यात्मिक व बौद्धिक विकास तथा महिलाओं का निरन्तर विकास होता रहे।

15 सितम्बर 2022 को लाडनूं के जैन विश्व भारती प्रांगण में मध्यान्ह लगभग 1 बजे लाडनूं महिला मंडल के मंगल संगान के साथ अधिवेशन का समारंभ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं सम्पूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी टीम ने सुदूर क्षेत्रों से समागत समस्त शाखा मंडलों का बहुत ही नवीन व हृदयग्राही अन्दाज से स्वागत-अभिनन्दन किया। Salutation के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शाखाओं द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। समणीश्री कुसुमप्रज्ञाजी ने मंगल उद्बोधन प्रदान किया। मुखरित योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत शाखा मंडलों ने विभिन्न योजनाओं पर अपनी सुन्दर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने किया।

प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र 'परचम जागृति का' के अन्तर्गत समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई। विभिन्न विषयों पर सदस्यों ने अपनी प्रभावक प्रस्तुति दी :-

Late Marriage - रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन

Disregard to Elders - रा.का.स. श्रीमती रमण पटावरी

Addiction as a Fascination - रा.का.स. श्रीमती नीतू पटावरी

Pre-Wedding Shoot - रा.का.स. श्रीमती सुमन नाहटा

उपरोक्त विषयों पर सारगर्भित चर्चा सहित समाधान प्रस्तुत किए गए। रा.का.स. श्रीमती ज्योति जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'परचम प्रगति का' : रात्रिकालीन सत्र का शुभारंभ मुंबई महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण से हुआ। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने प्रगति का प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करते हुए शाखा मंडलों के कर्तृत्व की सराहना की एवं वर्ष भर शाखाओं द्वारा कृत कार्य का ब्यौरा प्रस्तुत किया। पुरानी ढालों के पुनरावर्तन की एक झलक प्रस्तुत करते हुए बहनों ने 'प्राणी समकित किण विध आई रे' ढाल का संगाान किया। रा.का.स. श्रीमती तरुणा बोहरा एवं डॉ. वन्दना बरड़िया ने बहुत ही रोचक ढंग से अभातेममं के भावी योजनाएं जैसे अंकुरम्, उम्मीद (निर्माण प्रोजेक्ट), सामर्थ्य (Part Two), कला अभ्युदय योजना, तालमेल, Lifestyle without Cruelty, पुरानी ढालों का पुनरावर्तन, काव्यशाला आदि योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। C^2 Show - Correct Connexion के अन्तर्गत आध्यात्मिक गीत, तत्त्वज्ञान एवं पुरानी ढालों पर आधारित खेल खिलाया गया। इस खेल में श्री रमेश खटेड़ एवं श्रीमती संगीता खटेड़ का सार्थक श्रम लगा। सत्र का कुशल संचालन सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी ने किया।

अधिवेशन का द्वितीय दिवस

द्वितीय दिवस का प्रथम सत्र 'परचम गुरु भक्ति का' : इस सत्र का आयोजन परम पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में 16 सितम्बर 2022 को छापर में हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने समर्पण के स्वर श्रीचरणों में समर्पित करते हुए शाखा मंडलों के पुरुषार्थ को अभिव्यक्त

47वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

15-16-17 सितम्बर 2022 (छापर-लाडनूं)

करते हुए उनमें ऊर्जा संप्रेषित करने का अनुग्रह किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने गुरु अनुकम्पा की अनुमोदना करते हुए श्रीचरणों में प्रगति प्रतिवेदन निवेदित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व चीफ ट्रस्टी ने प्रतिवेदन की प्रति गुरु चरणों में समर्पित की।

अभातेममं द्वारा डॉ. माणक बाई कोठारी को 'श्राविका गौरव' अलंकरण से सम्मानित किया गया। अभिनन्दन प्रत्र का वाचन

रा.का.स. श्रीमती सुमन नाहटा ने किया। तेरापंथ समाज की प्रतिभावान महिला व कन्या को प्रदत्त 'सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार' से डॉ. मोनिका जैन एवं सुश्री ऐश्वर्या नाहटा को सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र का वाचन रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन व श्रीमती वीणा बैद ने किया।

'श्राविका गौरव' डॉ. माणक बाई कोठारी व 'प्रतिभा पुरस्कार' से

सम्मानित डॉ. मोनिका जैन एवं सुश्री ऐश्वर्या नाहटा ने गुरु चरणों में अपनी भावाभिव्यक्ति प्रस्तुत की। साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने मंगल प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि अभातेममं तेरापंथ धर्मसंघ का सशक्त संगठन है। संघ में सेवा के लिए सदैव मंडल तत्पर रहा है। परमाराध्य आचार्य प्रवर ने अमृत देशना प्रदान करते हुए कहा कि अभातेममं एक धार्मिक व सामाजिक संगठन है। एक अच्छा संगठन आभाषित हो रहा है। बहनें उपासिका, प्रशिक्षिका, तत्त्व ज्ञान व तेरापंथ दर्शन के क्षेत्र में बहुत विकास कर रही है एवं संघ को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। संस्था खूब धार्मिक, ज्ञान व शिक्षा के क्षेत्र में विकास करती रहे। सत्र का कुशल संचालन महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने किया।

राष्ट्रीय अधिवेशन का पंचम सत्र 'परचम उपासना का' छापर महिला मंडल के मंगल संगान के साथ प्रारम्भ हुआ। साध्वीवर्याश्री संबुद्धयशाजी ने अपने प्रेरणा स्वर प्रदान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर शक्ति का अनन्त स्रोत है। आवश्यकता है उसे जागृत करने की। सोई शक्ति को जगाने का माध्यम है – स्वाध्याय, ध्यान, संयम और सुमंगल साधना का अभ्यास।

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि हमारी जीवन शैली संस्कार प्रधान बननी चाहिए। सादगी प्रधान जीवन शैली हमारे आभामण्डल को तेजस्वी बनाने में सहायक होती है। प्रत्येक महिला प्रफुल्लता, प्रसन्नता के साथ आगे बढ़ कर संस्था को विकास की ऊंचाइयों तक अवश्य ले जाएं। परमाराध्य आचार्य प्रवर ने बहनों की जिज्ञासाओं को अपनी अमृत वाणी में समाहित करते हुए उपस्थित समस्त महिलाओं को कृतार्थ किया। कृतज्ञता के भाव समर्पित किए वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने व कार्यक्रम का संचालन किया रा.का.स. श्रीमती अदिति सेखानी ने।

साधारण सदन

साधारण सदन का मंगल शुभारंभ गुवाहाटी महिला मंडल के मंगल संगान से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समागत बहनों का स्वागत करते हुए प्रमोद भावना की

अभिव्यक्ति दी व भावी योजनाओं से सदन को अवगत कराया। महामंत्री ने गत् मिनिट्स का वाचन किया जिसे सदन ने सहर्ष पारित किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती रंजू लुणिया ने आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जिसे सदन द्वारा पारित किया गया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे सदन ने 'ॐ अर्हम्' की ध्वनि से पारित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दो नए ट्रस्टी के रूप में श्रीमती बिमला दूगड़ एवं श्रीमती ज्योति जैन के नाम प्रस्तावित किए जए जिसे सदन ने सहर्ष पारित किया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी व ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने संशोधित संविधान को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। आभार ज्ञापन ट्रस्टी श्रीमती बिमला दूगड़ ने किया एवं सत्र का कुशल संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने किया।

47वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

15-16-17 सितम्बर 2022 (छापर-लाडनूं)

अधिवेशन का तृतीय दिवस

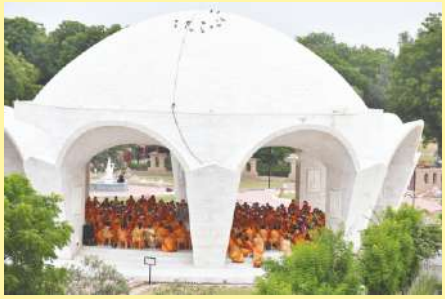

अधिवेशन के तृतीय दिवस 17 सितम्बर 2022 को प्रातःकालीन सत्र 'परचम ऊर्जा का' जैन विश्व भारती परिसर स्थित आचार्य तुलसी स्मारक पर आयोजित हुआ। अभातेममं की संपूर्ण टीम एवं समागत समस्त बहनों ने स्मारक में सामायिक एवं जाप किया। लगभग सवा घण्टे के इस उपक्रम में पैंसठिया छन्द, श्रावक संबोध, जप व गीतिका का समवेत स्वरों में संगान किया गया। कार्यक्रम का संचालन रा.का.स. श्रीमती मंजू भूतोड़िया ने एवं जप रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती रमण पटावरी, श्रीमती निर्मला चिण्डालिया एवं श्रीमती मधु कटारिया ने करवाया।

अन्तिम सत्र 'परचम सफलता का' का शुभारंभ लूणकरणसर महिला मंडल की सुमधुर गीतिका संगान के साथ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने Milestones to Success के अन्तर्गत शाखा मंडलों को सफलता के सूत्र बताए। शाखा मंडलों के कर्तृत्व का मूल्यांकन करते हुए प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया। पारितोषिक वितरण सत्र का संचालन रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ व श्रीमती रचना हिरण ने किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने सभी के कर्तृत्वों की सुचारू व्याख्या की व संपूर्ण सत्र का संचालन रा.का.स. श्रीमती ललिता धारीवाल ने किया। संपूर्ण अधिवेशन में व्यवस्था पक्ष का दायित्व निर्वहन में उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया के श्रम को हार्दिक साधुवाद। अधिवेशन में समागत समस्त महिला सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति हेतु सहृदय साधुवाद। लाडनूं तेममं के अथक श्रम एवं सहयोग से अधिावेशन आशातीत सफल रहा, तदर्थ सहृदय आभार। छापर तेममं एवं जैन विश्व भारती से मिले सम्पूर्ण सहयोग हेतु साधुवाद।

अधिवेशन पश्चात् अभातेममं आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी को प्रतिवेदन एवं रिपोर्ट निवेदित

काव्यामृतम् काव्यशाला

शब्द शब्द में ब्रह्म विराजित,
शब्द शब्द आलोक स्तम्भ हैं।
मिल शब्दों की करें साधना,
शब्दों का विज्ञान अनन्त है ॥

काव्यामृतम् काव्यशाला गत माह प्रारम्भ की गई थी। आत्मतोष का विषय है कि इसकी चहुं ओर सराहना हुई एवं आशातीत काव्य रचनाएं प्राप्त हुई। गत माह ब्रह्म शब्द 'क्षमा' पर प्राप्त काव्य रचनाओं में चयनित रचना इस प्रकार है :–

'क्षमा' शब्द पर लिखना मुझको, मैंने कलम उठाई
काम ये बाएं हाथ का मेरे, मन ही मन मुस्काई।
खुद को ही प्रतिमान बनाया, जब डूबी चेतन में
स्वार्थ भरी हर सांस थी मेरी, अहम भरा कण–कण में।
फिर भी अच्छी हूं जग आगे, वाह! क्या की चतुराई
काम ये बाएं हाथ का मेरे, मन ही मन मुस्काई।
क्षमादान में हूं मैं कैसी, जब यह भी आजमाया
सहनशक्ति का लेश मात्र भी, अपने अंदर ना पाया।
भौतिक आकर्षण में उलझी, मापी ना गहराई
काम ये बाएं हाथ का मेरे, मन ही मन मुस्काई।
दिखा गया आईना मुझको, शब्द क्षमा का गहरा
हिला मेरा अस्तित्व की तोड़ूं, बाहरी दुनिया का पहरा।
जुड़ूं आत्मगुण से मैं तब ही, पाऊंगी प्रभुताई
काम ये बाएं हाथ का मेरे, मन ही मन मुस्काई।

नीलम बोथरा, फारबिसगंज

इस माह का ब्रह्म शब्द : **प्रकाश**

इस ब्रह्म शब्द को आधार मानकर आपको चन्द पंक्तियों (अधिकतम 16 पंक्तियां) की रचना करनी है। आपकी रचनाएं

https://www.facebook.com/Kavyamritam/

पर पोस्ट करें। चुनिन्दा रचना(ओं) को नारीलोक में प्रकाशित किया जाएगा।

उपरोक्त ब्रह्म शब्द पर अपनी काव्य रचना 20 अक्टूबर 2022 तक फेसबुक पेज पर अवश्य पोस्ट करें।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध मौन

गत वर्ष शृंखलाबद्ध नीवी में समस्त शाखा मंडल ने अपना श्रम नियोजित कर देश भर में जागृति लाते हुए नीवी के आध्यात्मिक अनुष्ठान को अखण्डता सहित पूर्ण किया, तदर्थ सभी प्रतिभागी क्षेत्रों को हार्दिक साधुवाद।

इस कड़ी में आगामी वर्ष हेतु नवरात्रि के प्रारम्भिक दिवस दि. 26 सितम्बर 2022 से मौन प्रत्याख्यान की वार्षिक लड़ी का शुभारम्भ हो चुका है। आशा है शाखा मंडल सदैव की भांति इस शृंखला में भी अपना श्रम नियोजित करेंगे। मौन साधना स्वयं में अद्भुत साधना है। जिसने मौन को महसूस कर लिया, उसे वास्तविक शान्ति का अनुभव हो जाता है। यदि आपने 24 घण्टे मौन रहने का अभ्यास नहीं किया है, तो इस बार इस शृंखला से अवश्य जुड़ें। जिन्हें मौन का अभ्यास है, वे स्वतः इस अनुष्ठान से जुड़ेंगे, ऐसा परम विश्वास है।

करणीय कार्य

प्रतिदिन **एक** क्षेत्र **24** घण्टे

सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक मौन साधना करने के लिए श्रावक/श्राविकाओं को प्रेरित करें एवं अपने क्षेत्र में इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति से अधिकाधिक श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखें।

मौन के लाभ

- मौन मानसिक स्पष्टता को बढ़ाता है।
- अपने और दूसरों के लिए करुणा पैदा करता है।
- निर्णयात्मक क्षमता बढ़ती है।
- क्रोध एवं कषाय नियंत्रित हो जाते हैं।

अपने क्षेत्र का नाम अतिशीघ्र संयोजिका
श्रीमती जयंती सिंघी मो. 86906 66015
के पास दर्ज कराएं।
शृंखलाबद्ध मौन में तिथि आरक्षण हेतु
Google Form Link :
https://forms.gle/RmgAXfRe3sVS3oGK7
(Touch the link to open Google Form)

उत्सव रिश्तों का

मनुष्य के विकास के लिए समाज की आवश्यकता होती है और इसकी पूर्ती के लिए समाज की प्रथम इकाई के रूप में परिवार का स्थान सर्वोपरि है।

संयुक्त परिवार प्राचीन भारतीय संस्कृति की तमाम पहचानों में एक मुख्य पहचान रखता है। संयुक्त परिवार शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए उत्तम दिशाएं प्रदान करता है। संयुक्त परिवार में रहने वाले व्यक्ति अनुशासित जीवन जीते हैं और सदैव एक–दूसरे को सहयोग प्रदान करते रहते हैं। आज के परिप्रेक्ष्य में एकल परिवारों की बढ़ोतरी होती जा रही है और संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है। ऐसे वातावरण में संयुक्त परिवार में रहना अत्यन्त ही अद्‌भुत माना जा सकता है।

संयुक्त परिवार में रहने वाले परिवारों का भी उत्सव अक्टूबर महीने में दीपावली के सुअवसर मनाया जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

उत्सव रिश्तों का
प्रेम देवरानी जेठानी का

देवरानी जेठानी के रिश्तों में यूं ही बजता रहे मधुर साज,
एकजुटता की मिशाल बन सही राह दिखाती आज।
टूटते परिवार के लिए उदाहरण है ये बेमिसाल,
बना रहे सद्भाव सभी में और कभी ना टूटे परिवार।

अपने क्षेत्र में जिस परिवार में आज भी गत 15 वर्ष या उससे अधिक देवरानी और जेठानी संयुक्त रहते हुए स्नेहसूत्र में बंधे हों, उन्हें कार्यक्रम में बुलाया जाए और उनके अनुभव सभी के साथ साझा करें। उनके आपसी संबंधों और संयुक्त परिवार में रहने की महत्ता को उजागर करने का प्रयास करें। शाखा मंडल चाहें तो ऐसे देवरानी–जेठानी को सम्मानित भी कर सकती है।

अक्टूबर माह में यह कार्यक्रम अपने क्षेत्र में आयोजित करने का प्रयास करें।

भावना सेवा अंतर्गत रास्ते की सेवा

भावना सेवा

चातुर्मास की संपन्नता पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की भावना सेवा पुनः प्रारम्भ हो रही है। शाखा मंडल जागरूकता के साथ सेवा में अपना नाम पंजीकृत करवाएं।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें

संयोजिका – श्रीमती सरिता डागा मो. 94133 39841

सह–संयोजिका – श्रीमती निधि सेखानी मो. 98796 33133

कन्या मंडल

उड़ान... उमंगों की

अक्टूबर माह में दीपावली का त्यौहार और यह पर्व लाता है खुशियां अपार। हम हमारे घरों में दीपावली अत्यन्त प्रसन्नमना और आनन्दित वातावरण में मनाते हैं। हमारे क्षेत्र में कई परिवार ऐसे भी होंगे जिन्हें दीपावली के शुभ अवसर को भी उल्लासित तरीके से मनाना नसीब नहीं होता है।

ऐसे अनेक अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम और दिव्यांगाश्रम आपके क्षेत्र में होंगे जिनके सहवासियों को अच्छे कपड़े, भोजन और शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है। आईए, इस दीपावली हम थोड़ी सी खुशी और रौनक उनके मुखड़ों पर भी लाने का प्रयास करें।

अक्टूबर माह में कन्या मंडल हेतु करणीय कार्य :–

Share & Care

* आप अपने परिवार, रिश्तेदार या पास–पड़ोस से अनुदानित अच्छे कपड़ों का संग्रह करें।
* इन कपड़ों की सफाई करवा कर उन्हें अच्छे से पैक करें।
* चयनित आश्रम में जाकर वहां के निवासियों को कपड़े भेंट करें।
* आश्रम के निवासियों के साथ थोड़ा वक्त भी बिताएं और उनके जीवन में थोड़ी सी खुशी लाने का प्रयास करें।
* कन्या मंडल चाहें तो अपनी ओर से अन्य कार्य भी जोड़ सकती है।
* इस कार्यक्रम का वीडियो बनाकर अवश्य भेजें। वीडियो अधिकतम 2 मिनट एवं landscape format में होना चाहिए।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें

अर्चना भण्डारी

कन्या मंडल प्रभारी, मो. 98100 11500

NURTURING FUTURE LEADERS

(Zoom Workshop)

अक्टूबर माह की कार्यशाला – अहमदाबाद कन्या मंडल

विषय– Self Transformation Self Grooming Techniques
(Flaunt yourself the way U are)

दि. 15 अक्टूबर 2022

आगामी मासिक कार्यशालाओं हेतु संपर्क करें।

अखिल भारतीय स्तर पर कन्या मंडल के कार्यों में सहयोग प्रदान करने वाले सहयोगीगण :

* सुश्री किंजल संचेती, मुम्बई
* सुश्री दिव्या नाहटा, उत्तर हावड़ा
* सुश्री ललिता बैद, गुलाबबाग
* सुश्री शोम्पी डागा, गंगाशहर

आप द्वारा प्रदत्त निःस्वार्थ सेवा एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर

उत्तम बोध प्राप्त करने का एक प्रमुख माध्यम है स्वाध्याय। तत्त्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन का अध्ययन कंठस्थ और पठन पाठन यह सभी स्वाध्याय की ही विधाएं है जो आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत संचालित तत्त्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम में समाहित है।

दि. 18 व 19 सितम्बर 2022 को परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर के सान्निध्य में छापर में अभातेममं द्वारा तत्त्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें तत्त्वज्ञान पाठ्यक्रम के छठे वर्ष के 63 तथा तेरापंथ दर्शन के पांचवें वर्ष के 7 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

शिविर का शुभारम्भ परमाराध्य आचार्यप्रवर के मंगलपाठ एवं साध्वीप्रमुखाश्रीजी की मंगल वाणी से हुआ। अभातेममं चीफ ट्रस्टी एवं इस योजना की निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, संरक्षिका श्रीमती शान्ता पुगलिया, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़ एवं श्रीमती कनक बरमेचा एवं रा.का.स. की उपस्थिति में परस्पर परिचय एवं वर्ष 2021 की परीक्षा में आए हुए Toppers परीक्षार्थियों का मेमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया।

मध्यान्ह 2 बजे इस योजना के विषय में प्रस्तुति दी गई। तत्त्वप्रचेता पुस्तक का नया संस्करण, किट एवं इस योजना से संबंधित फाइल गुरुदेव के समक्ष भेंट की गई। परमाराध्य आचार्य प्रवर ने मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए फरमाया, 'परीक्षा और डिग्री की शृंखला बनी हुई है। डिग्री के बाद उपासक श्रेणी या ज्ञानशाला से जुड़ जाएं तो उपयोग हो सकता है। स्वाध्याय करते रहें, इससे निर्जरा हो सकती है, प्रेरणा मिल सकती है, यह स्तुत्य प्रयास है।' साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने श्रीमद् रायचन्द्रजी की एक घटना के माध्यम से समझाया कि तत्त्वज्ञान अलुणा है, यह सलुणा बन सकता है। तत्त्व को जानने के बाद व्यक्ति आत्मा को संभाल सकता है। जितना–जितना ज्यादा गहराई में जाएगा, उतने ही मोती प्राप्त करेगा।

मध्यान्ह 3 बजे मौखिक परीक्षा प्रारंभ हुई। 19 सितम्बर को प्रातः 8.30 बजे विशेष लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षक के रूप में निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया, सह–संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी एवं श्रीमती दीपाली सेठिया तथा श्रीमती उर्मिला सुराणा थे। रा.का.स. श्रीमती अमिता नाहटा एवं छापर तेममं की अध्यक्ष श्रीमती सरिता का भी भरपूर सहयोग रहा।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

दीपावली अनुष्ठान

दीपमालिका – भगवान महावीर का 2549वां निर्वाण कल्याणक

अभातेममं लाया है दीपों का नव उजास,
जगाएं स्वयं की शक्ति में विश्वास।
अनुष्ठान से छाए अभिनव उल्लास,
अध्यात्म ही है सच्चा आश्वास।।

दीपावली के पावन पर्व भगवान महावीर की आराधना करते हुए प्रत्येक शाखा मंडल से निवेदन कि एक सामायिक के साथ आध्यात्मिक अनुष्ठान संपादित करें। स्वयं के आध्यात्मिक ऋद्धि के विकास हेतु 'ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं महावीराय नमः' की माला दीपावली के दिन से प्रारम्भ करें।

अनुष्ठान प्रारूप

महावीर अष्टकम् (सुनने के लिए यहां टच करें)	07 मिनट
लोगस्स ध्यान (चारों दिशाओं में एक–एक लोगस्स)	08 मिनट
भगवान महावीर जप	10 मिनट
(महावीर स्वामी केवल ज्ञानी, गौतम स्वामी चवनाणी)	
'मंगल भावना' का जप	10 मिनट
'ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं महावीराय नमः' की एक माला	10 मिनट
'जय महावीर भगवान' गीतिका संगान	03 मिनट

कला अभ्युदय योजना

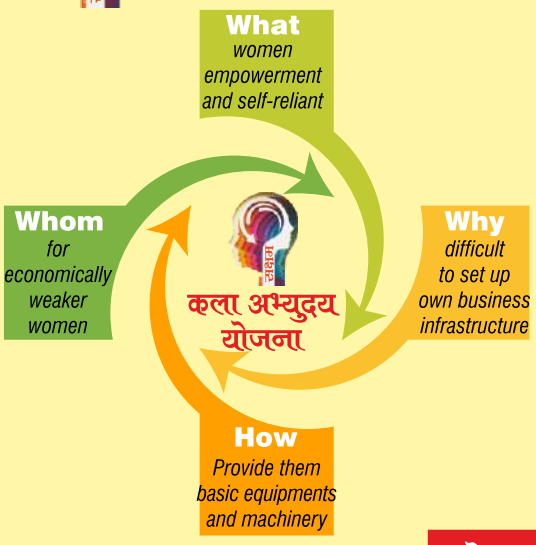

योजना का क्रियान्वयन

* अपने क्षेत्र में एक या दो तेरापंथी महिला का चयन करें जिन्हें गृह व्यवसाय की अत्यन्त आवश्यकता हो।
* ऐसी महिलाओं की जरूरतों को समझते हुए उन्हें परामर्श दें कि वे क्या घरेलू व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं।
* उनकी जरूरत की मशीन/उपकरण जैसे अनाज पीसने की मशीन, सिलाई मशीन, मसाला मशीन, बेकिंग मशीन, खाखरा मशीन आदि का ब्यौरा एवं उक्त महिला का सम्पूर्ण विवरण राष्ट्रीय संयोजिका को प्रेषित करें।
* उक्त महिला का नाम और अन्य विवरण पूर्ण रूप से गोपनीय रखे जाएं।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती ज्योति जैन मो. 93398 78262

योजना के सहयोगी परिवार - Diamond Donors

स्व. श्रीमती कमला कठोतिया
की पुण्य स्मृति में
श्रीमती आरती श्री राकेश कठोतिया
लाडनूं - मुम्बई

श्रीमती रंजू
श्री मनोज लुणिया
चाड़वास - शिलाँग

श्रीमती मधु श्री विमल
श्री चिराग श्री यश कटारिया
बेमाली - बेंगलुरु

कर्म विज्ञान और कालूतत्त्वशतक (वर्ग-प्रथम व द्वितीय) पर आधारित बोर्ड गेम अब उपलब्ध

शाखा मंडल उपरोक्त बोर्ड गेम्स के ऑर्डर हेतु
अभातेममं रोहिणी कार्यालय संपर्क करें मो. 77338 88138

शाखाओं हेतु कार्यसमिति गतिविधि एवं साधारण सदन गतिविधि रजिस्टर

शाखा मंडल हेतु कार्यसमिति गतिविधि एवं साधारण सदन गतिविधि हेतु रजिस्टर बनवाए गए थे। अब तक कई शाखाओं ने रजिस्टर प्राप्त कर लिए हैं।

बाकी बचे हुए शाखा मंडलों से निवेदन है कि अतिशीघ्र रजिस्टर लाडनूं कार्यालय मो. 7733888138 से संपर्क कर, प्राप्त कर लें।

आमेट में 'सफर : संकल्प से सफलता तक' मेवाड़ स्तरीय कार्यशाला

अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं आमेट द्वारा साध्वीश्री प्रांजलप्रभाजी, साध्वीश्री रुचिप्रभाजी एवं साध्वीश्री गौतमप्रभाजी के सान्निध्य में मेवाड़ स्तरीय कार्यशाला सफर संकल्प से सफलता तक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, विशिष्ट अतिथि राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी के साथ महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती नीना कावड़िया आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। अत्यन्त विशेष अन्दाज में राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ हुआ एवं स्थानीय कन्या मंडल द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गयी। सभाध्यक्ष श्री देवेंद्र मेहता ने शुभकामनाएं प्रेषित की। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मीना गेलड़ा ने स्वागत अभिनंदन किया। साध्वीश्री प्रांजलप्रभाजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में जागरूकता को सफलता की चाबी बताया। जागरूकता हो दायित्व के बोध में, सकारात्मक चिंतन में एवं सौहार्द के विस्तार में। साध्वीश्रीजी ने आह्वान किया कि कार्यशाला केवल प्रभावित करने वाली नहीं, अपितु प्रकाशित करने वाली बने।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने आत्म दीपो भव: विषय में कहा कि किस तरह स्वयं का प्रकाश हम स्वयं बन सकते हैं। आत्मनिरीक्षण के लिये महत्त्वपूर्ण चार बिंदु बताये।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने आगामी कार्यों के लिए दिशा निर्देश दिए और नेतृत्व क्षमता के विकास की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने आपसी सौहार्द से संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। क्षेत्रीय प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया ने सभी क्षेत्रों का परिचय प्रस्तुत किया। राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि बहनों को सतत विकास के लिए अपनी शक्ति और कमजोरी को देखना चाहिए।

आभार ज्ञापन श्रीमती सुधा मेहता और श्रीमती मधु बोहरा ने एवं संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती संगीता पामेचा व उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा छाजेड़ ने किया। मेवाड़ की 30 क्षेत्रों की लगभग 550 बहनों ने सहभागिता दर्ज की।

आमेट में 4 बेंच का उद्घाटन

आमेट तेममं द्वारा 4 बेंच का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया द्वारा किया गया। सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं क्षेत्रीय प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

51 Days! संगठन यात्रा ...Connection at your location...

दिल्ली संगठन यात्रा

दि. 28 जुलाई 2022 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों द्वारा दिल्ली प्रदेश की संगठन यात्रा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ शासनश्री साध्वीश्री रतनश्री जी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्थानीय बहनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन श्रीमती पुष्पा बैंगानी द्वारा किया गया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन ने स्वागत अभिभाषण दिया। मंडल की बहनों ने स्वागत गीतिका के सुंदर संगान से राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया। क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती मंजु भूतोड़िया ने दिल्ली क्षेत्र की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने केसरिया परिधान की मर्यादा व गणवेश के उपयोग के बारे में जानकारी दी। रजिस्टर एवं नारीलोक के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। लगभग एक घण्टे तक प्रश्नोत्तर का दौर चला जिसमें प्रत्येक बहन की जिज्ञासा को समाहित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाधान दिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती मंजु भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती नीतू पटावरी, श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती कुसुम बैंगानी की गरिमामय उपस्थिति रही। अभातेममं की दिल्ली क्षेत्र की सम्पूर्ण टीम ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया।

संचालन श्रीमती सरोज सिपानी ने किया। मंत्री श्रीमती यशा बोथरा ने आभार ज्ञापन किया।

Membership Drive / सदस्यता अभियान

हम हमारा नैतिक दायित्व है कि समाज की प्रत्येक महिलाओं को मंडल का सदस्य बनाते हुए उन्हें जोड़ने का प्रयास करें। अभातेममं इस हेतु सदस्यता अभियान प्रारंभ कर रहा है। समस्त शाखा मंडल से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र की समस्त तेरापंथी महिलाओं को मंडल से जोड़ने का पुरजोर प्रयास करे। 31 दिसम्बर 2022 तक आप अधिकाधिक सदस्य बनाकर संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी मो. 98796 33133 को नए सदस्यों का फॉर्मेट अनुसार विवरण अवश्य भेजें।

47वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन - परचम

अधिवेशन पर विशेष रचित गीत एवं वर्ष भर में कृत कार्यों का उल्लेख

परचम, परचम, परचम, परचम।
फहराया है मन–मन परचम।
आध्यत्मिकता और भक्ति के
रंग से रंगा हुआ है परचम ।।

प्रश्न–
अभी–अभी तो देखा हमने,
दिवस स्वतन्त्रता घर घर परचम।
पर मन–मन फहराने वाला,
आज तलक न देखा परचम ।।

उत्तर–
अरे ! सो रही थी क्या अब तक,
नहीं सुनी क्या सत्य सदाएं।
गूंज उठी थी दिशि–दिशि पावन
परचम से जो पुण्य ऋचाएं ।।

प्रश्न–
सच में बहिना, सुप्त चेतना
पर प्रमाद का परदा भारी।
लेकिन आज बता दो हमको
मिली उपलब्धियां, जो भी सारी ।।

उत्तर–
थोड़ा सब्र धरो, बहिना
हम सब मिल आज बतायेंगे।
पर उससे पहिले सब मिल,
गुरु चरणों शीश झुकायेंगे ।।
शुभारम्भ जब किया सफर का,
उनका आशीर्वाद मिला।
मिला स्नेह भरपूर और
पाथेय राह का साथ मिला ।।
आध्यत्म, कला, साहित्य, संस्कृति
का ज्योतिर्मय पथ चुनकर।
निकल पड़े हम नये सृजन को
दिशि–दिशि में, सपने बुनकर ।।
सर्वप्रथम आध्यात्म कार्य का,
ब्यौरा यहाँ सुनाती हूँ।
आर्य चरण में उन्हें समर्पित
कर आभार जताती हूँ ।।
तीन सौ बासठ दिवस, अनवरत
चली नीवी की तप यात्रा।
रसना पर पा विजय,
छुई हमने कुछ हद संयम मात्रा ।।
गुरुवर को षष्टिपूर्ति का,
नवल तपोउपहार दिया ।।
ढ़ाई हजार त्याग की मणि
मुक्ता से वर्धापान किया ।।
कर्मविज्ञान व कालू तत्त्व शतक
पर जम कर कार्य किया।
अठारह पाप पर छत्तीस दिवसीय
आध्यत्मिक अभियान जिया ।।
भूली बिसरी चार पुरातन
ढ़ाल प्रेरणादायी का,
पुनरावर्तन कर पाया है
हृदय तोष वरदायी सा ।।
पक्खी प्रतिक्रमण करने की,
घर घर अलख जगाई है।
मिटे प्रदूषण मन से सबका,
मैत्री धार बहाई है ।।

प्रश्न–
आध्यात्म क्षेत्र का कार्य सुना
साहित्यिक है सुनना बाकी।
साहित्य बिना आदित्य नहीं,
यह बात जगत ने है मानी ।।

उत्तर–
अरे धैर्य धरो थोड़ा हम
पूरी बात बतायेंगे।
साहित्य सृजन के दर्पण
में सब किये कार्य दिखलायेंगे ।।
अमृत महोत्सव शासन माता का
गौरव लेकर आया था।
स्वयं महान् कवयित्री, लेखिका
कार्य अधिक मनचाहा था ।।
इसलिए उनके दो काव्य
ग्रंथों को आधार बना।
काव्यामृतम् देश व्यापी आयोजन
हमने रचा घना ।।
इस साहित्यिक शंखनाद से
एक नया आगाज़ किया।
जन–जन पढ़े, बहे चिन्तन
धारा, प्रकाश, आकाश दिया ।।
विस्मृत ब्राह्मी लिपि पुरातन
संज्ञा कोष लिये आये।
भिन्न साठ भाषाओं ने
गुरु अभिनंदन में गुण गाएं ।।
ग्लोबल भाषा अंग्रेजी ही
युवा वर्ग की भाषा अब।
तत्वज्ञान सचित्र वीडियो,
अंग्रेजी में डाले तब ।।
इन सबको गुरु के चरणों,
सविनय समर्पित करते हैं।
भक्ति भाव के सुमन हमारे
रोम रोम से झरते हैं ।।

प्रश्न–
सुनकर हुआ मोदमय मन पर,
कुछ रीता–रीता लगता।
अगर सामाजिक कार्य किये ना,
तो सब कुछ फीका लगता ।।

उत्तर–
जिस समाज में रहते हैं हम,
उसे भूल कैसे जाएं।
मनन हमेशा रहा, तभी
सार्थकता हासिल कर पाएं ।।
विकलांगों को किया प्रशिक्षित,
दिल–दिमाग से स्वस्थ बने।
पौष्टिक दे आहार ग्रास,
ताकि शरीर से पुष्ट बने ।।
उन्हें दाहिना हाथ कहें तो,
अतिशयोक्ति न होगी।
करने उनके दुःख–दर्द दूर
कार्यशाला हमने रख दी ।।
इसीलिये घर के करते जो
कार्य, उन्हें सम्मान दिया।
जिएं जलालत न वे किंचित
उसका सह उपचार दिया ।।
कन्या सब ही रहे सुरक्षित,
यह अभियान पुराना है।
जगह जगह कन्या बेंचों
का नव प्रारूप हमारा है ।।
बने स्वावलम्बी महिलाएं,
हीन भावनाएं त्यागे।
जिन्हें जरूरत दिखी,
उन्हें हम आगे लेकर हैं आये ।।
जितना भी बन सका, दिया
सहयोग कि वे ऊपर आये।
अपने बलबूते पर होकर
सफल, शान से जी पाएं ।।
होगा तन गर स्वस्थ तभी तो
स्वस्थ बनेगा मन–चिंतन।
क्या खाना, कैसे जीना,
कुछ सूत्र पुरातन है शाश्वत ।।
उन्हें सामने लाने का भी,
हमने सघन प्रयास किया।
परम्परा के पुनरावर्तन को,
आरोग्यम् नाम दिया ।।
स्वस्थ समाज के योगदान में,
महिला रही अग्रणी है।
स्वर्ण सुंगध वरे, प्रबुद्धता
भी तो यहां जरुरी है ।।
ऐसी महिलाओं का हमने,
रखा वृहद् सम्मेलन था।
चिंतन–मंथन चला, मिला
नवनीत नया आकलन था ।।
मन की अकड़न जकड़न संग
तन की जकड़न पर ध्यान दिया।
महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर
प्रकल्प प्रारंभ किया ।।

प्रश्न–
वाह, वाह बहिना सच में यह
तो, परचम बडा अनूठा है।
रेशे–रेशे में उजली किरणों
की नई प्रतिष्ठा है ।।

उत्तर–
पल–पल मिली ऊर्जा हमको,
गुरुवर के आशीषों से।
पूज्या प्रमुखा से व
शासन गौरव कल्प लता जी से ।।
उन तक जाते जाते सारे
शब्द मौन हो जाते हैं।
मिटता है अस्तित्व स्वयं का,
भाव महज सुख पाते हैं ।।
उनके इंगित पर चल कर,
कुछ करने का उद्यम साधा।
टेढ़े–मेढ़े अनगढ़ शब्दों से,
जो किया, उसे बांधा ।।
पूर्ण–अपूर्ण या तोष पूर्ण
अंकन करना गुरु कार्य रहा।
जो भी लेते कार्य हाथ में,
गुरु इशारा साथ रहा ।।
परचम ने कितनी ऊंचाई
छुई, गुरु बतलायेंगे।
भावी में करणीय कार्य का,
ज्योतित पथ दिखलायेंगे ।।

साभार - श्रीमती कंचन पींचा सेठिया, सेलम

संस्था का प्रयास
फैले 7500 दिव्यांग बच्चों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश

'स्नेहम्' से देश के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की रोशनी देने का सार्थक प्रयास किया शाखा मंडलों ने। मूक बधिर एवं अन्य विकलांग बच्चों को वर्ष भर में सहयोग प्रदान करने हेतु आपकी कार्यशैली एवं कर्मजा शक्ति को विशेष साधुवाद। सितम्बर माह में शाखा मंडल द्वारा कृत कार्य:-

शाखा	स्कूल/आश्रम का नाम	सामग्री वितरित	गणमान्य उपस्थिति
जयपुर सी स्कीम	आनंदीलाल पोदार राजकीय मूक बधिर विद्यालय एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लेबर कॉलोनी	पाठ्यक्रम पुस्तकें और ब्रेल लिपि पत्र, 1000 पाठ्यक्रम कॉपी	राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती बिमला दुगड, श्रीमती ममता रांका, डॉ. अमरजीत मेहता, डॉ. मुनेश अग्रवाल, डॉ.आस्था, डॉ. महेश मंगल, डॉ. हिरावत
दिल्ली	अमर कॉलोनी	अरिथमेटिक टाइप्स फ्रॉम NIVH 40 Nos., ब्राइल पेपर फ्रॉम सक्षम 2 Nos., 5 फोल्ड वाइट केन फ्रॉम NIVH 110cm 20 Nos., ब्रेल स्लेटु एत स्टाइलस फ्रॉम बर्थ ट्रस्ट 105 Nos., एवो ए11 डेज़ी प्लेयर फॉर ब्लाइंड	सभाध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया, रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद श्रीमती कल्पना जैन, श्रीमती सरोज भूतोड़िया, श्रीमती अमिता बैद, दक्षिण दिल्ली सभा के निवर्तमान अध्यक्ष संजय चौरड़िया, मंत्री यशा बोथरा
वापी	मनोविकास चेरिटेबल ट्रस्ट	प्रिंटर	राजस्थान जैन एकता मंच अध्यक्ष मनीषा मेहता, मनोविकास चेरिटेबल ट्रस्ट के डॉ. मोहन देव, श्री सज्जन कुमार सिंघल
सफाले	कर्णबधिर विद्यालय	श्रवण यंत्र में उपयोगी 300 सेल	
मंडिया	प्रेरणा ट्रस्ट ब्लाइंड स्कूल	ब्रेल बुक्स	साध्वी श्री डॉ गवेषणाश्रीजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद कर्नाटक प्रभारी श्रीमती सुधा नौलक्खा, रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर, रा.का.स. श्रीमती मधु कटारिया, रा.का.स. श्रीमती सरिता गोठी, रा.का.स. श्रीमती संतोष गिरिया, रा.का.स. श्रीमती शालिनी लुंकड़, रा.का.स. श्रीमती संतोष वेदमुथा
बेहाला कोलकाता	सेरेब्रल पाल्सी	6 बच्चों को गोद लिया	ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरडिया महावीर सेवा सदन के श्री विनय सेठिया
मध्य कोलकाता	मनो विकास केंद्र, रूबी अस्पताल	एमपी3 स्पीकर	
मध्य कोलकाता	मनो विकास केंद्र, रूबी अस्पताल	ब्लू टूथ के साथ सोनी होम ऑडियो स्पीकर – 2 Nos.	
जयपुर सी स्कीम	विकलांग पुनर्वास एवं प्रशिक्षण संस्थान	दो कंप्यूटर, दो लैपटॉप, दो प्रिंटर	
विशाखापट्टनम	नेत्र विद्यालय	लैपटॉप –1, ब्रेल स्लेट –100	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के आगामी करणीय कार्य

अधिक जानकारी हेतु संबंधित संयोजिका से संपर्क करें

संयोजिका श्रीमती जयंती सिंघी
मो. 86906 66015

संयोजिका श्रीमती बिमला दूगड़
मो. 93145 17737

संयोजिका श्रीमती माला कातरेला
मो. 98417 25560

संयोजिका डॉ. वन्दना बरड़िया
मो. +977 98510 29513
(only WhatsApp Call)

संयोजिका श्रीमती सुमन नाहटा
मो. 98188 54120

संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी
मो. 98796 33133

संयोजिका श्रीमती ज्योति जैन
मो. 93398 78262

संयोजिका श्रीमती सुनीता जैन
मो. 98685 16242

संयोजिका श्रीमती शिल्पा बैद
मो. 98113 31163

सत्र 2021-2023 के द्वितीय वर्ष में आयोज्य कार्यशालाओं का नवीन रूप

आंचलिक कार्यशालाएं

क्षितिज... असीम संभावनाओं के

क्षेत्रीय कार्यशालाएं

मंजिलें

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन एवं राष्ट्रीय महिला अधिवेशन के अनुदानदाताओं के प्रति सहृदय आभार

- श्रीमती मंगलीदेवी दुधोड़िया एण्ड सन्स् – बेंगलुरु (छापर)
- श्रीमती संतोष श्री सुरेन्द्र चोरड़िया – कोलकाता (चाड़वास)
- 'श्रद्धा की प्रतिमूर्ति' स्व. श्रीमती सायर देवी नाहटा की स्मृति में श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती अमिता नाहटा, प्राची नाहटा–काठमांडू (छापर)
- श्रीमती बिमलादेवी श्री भानुकुमारजी नाहटा – मुंबई (छापर)
- श्री सुरेन्द्रजी बोरड़ पटावरी – बेल्जियम (मोमासर)
- चंदनतारा दुगड़ ग्रुप – श्रीमती तारादेवी श्री मनोज श्री राजेश दुगड़ – हैदराबाद – वापी (लाडनूं)
- रानी भंसाली (छापर – सिलीगुड़ी) [धर्मपत्नी : श्री शान्तिलाल भंसाली पुत्रवधू : श्री धनराज केसरदेवी भंसाली]
- हाथीमल जसकरण बैंगाणी ट्रस्ट, श्री जगतसिंह श्री नवीन बैंगाणी श्री वरुण श्री मनुज बैंगाणी – कोलकाता (लाडनूं)
- गिड़िया परिवार – बेंगलुरु – चेन्नै (बीदासर)
- श्रीमती फूलदेवी श्रीमती प्रीति – बबीता घोषल – दिल्ली (लाडनूं)
- श्रीमती चंदादेवी श्रीमती बबीता–श्री राजेश भूतोड़िया – कोलकाता (सुजानगढ़)
- श्रीमती कंचन – ज्योति जैन (श्यामसुखा) – कोलकाता (राजगढ़)
- पौत्री–पौत्र के जन्म के उपलक्ष्य में श्रीमती प्रभा – श्री बिमल घोड़ावत अमित–मीनल, सुमित–डॉ.अदिति घोड़ावत, इन्दौर
- कल्याण मित्र स्व. जुगराजजी नाहटा परिवार (छापर)

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

अक्टूबर 2022

सन्दर्भ पुस्तक : धर्म है उत्कृष्ट मंगल (पृष्ठ संख्या 133 से 153)

एक शब्द में उत्तर दें

1. वीतराग तीर्थंकरों के प्रति भक्ति को कहते हैं?
2. गुणों के प्रति अनुराग, आकर्षण को कहते हैं?
3. दिगम्बर परम्परा में कौन सा पर्व विशेष धर्माराधना का समय है?
4. ईर्ष्या न रखना, दूसरों की उन्नति को देखकर जलन न करना, प्रसन्न होना क्या है?
5. योग शब्द का अर्थ है?
6. श्रावक के कितने प्रकार की सामायिक हो सकती है?
7. सामायिक करना, पौषध करना, व्याख्यान सुनना, उपवास करना – ये सारे कौन से धर्म के अन्तर्गत आते हैं?
8. भयंकर बीमारियों का भी एक कारण है?
9. किस कर्म के उदय से व्यक्ति विषय एवं कषाय में प्रवृत्त होता है?
10. परानुशासन की अर्हता क्या है?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. जैन धर्म ..... धर्म है।
12. संवत्सरी ..... पर्व के रूप में प्रख्यात है।
13. सामायिक का सार है .....भाव।
14. मनस्वी व्यक्ति में ऊंचाई और ..... दोनों होती हैं।
15. सामायिक में ..... योग का प्रत्याख्यान होता है।
16. नव तत्त्वों में सामायिक ..... तत्त्व है।
17. कामे कमाहि ..... खु दुक्खं।
18. यह संसार तो एक ..... है।
19. आत्मानुशासन की सर्वोच्च भूमिका ..... या ठियप्पा है।
20. साधक उत्थित, स्थितात्मा और ..... बन विहरण करें।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया
मो. 9819418492, Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 अक्टूबर 2022

Google Form Link : https://forms.gle/qKmx7f7r23JfjSFz6 (Click here to go to Google Form)

सितम्बर 2022 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. परिग्रह	02. आश्रव	03. क्षीणमोह	04. प्रमाद	05. अव्रत
06. क्षायोपशमिक	07. सान्निपातिक	08. जिनकल्प	09. सत्व	10. प्रशस्त
11. अन्तरंग	12. अपरिग्रही	13. मिथ्यात्व	14. योग	15. पारिणामिक
16. नियति	17. अभव्य	18. विशुद्ध	19. भाव	20. स्थिरता

सितम्बर 2022 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. वनिता चौहान, खार ईस्ट
2. ज्योति पिपाड़ा, रतलाम
3. पुष्पा जैन, रायपुर
4. कुसुम दुगड़, कोलकाता
5. डॉ. सीता श्यामसुखा, दिल्ली
6. पूजा वैदमुथा, चैन्नै
7. संगीता बैद, टॉलीगंज
8. सुमन नवलखा, ठाणे सिटी
9. ममता गुलगुलिया, सूरत
10. राजश्री कोचर, लाडनूं

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को

प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹3,50,000
तेरापंथ महिला मंडल
विजयनगर बेंगलुरु
(भावना सेवा)

₹1,50,000
तेरापंथ महिला मंडल
दिल्ली

₹1,01,000
सुश्री ऐश्वर्या नाहटा
को प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित
किए जाने के उपलक्ष्य में
श्रीमती जतन देवी
श्री नरेन्द्रकुमार, श्री बजरंगकुमार,
ललितकुमार नाहटा, छापर

₹71,000
सीतादेवी सरावगी
प्रतिभा पुरस्कार
से सम्मानित
डॉ. मोनिका जैन
दिल्ली

₹51,000
डॉ. माणक कुमारी कोठारी
के श्राविका गौरव अलंकरण
के उपलक्ष्य में
स्व. सागरमल जयंती देवी
कोठारी परिवार, लाडनूं
(निर्मल, राजेश, संजय,
राकेश, पंकज)

₹50,000
तेरापंथ महिला मंडल
नोएडा

₹31,000
पौत्र जन्म के उपलक्ष्य में
श्रीमती सुमन विनय नाहटा
दिल्ली
की ओर से सप्रेम भेंट

₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, कोयम्बत्तूर	₹5,000	तेरापंथ महिला मंडल, हांसी
₹5,000	तेरापंथ महिला मंडल, रेलमगरा	₹5,000	गुप्त दान

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com
महामंत्री कार्यालय

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com
कोषाध्यक्ष कार्यालय